CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

میرعالم

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्र

ॐ श्रीगणेशाय नमो नमः ॥ ॐ
नमोऽस्त्वनन्ताय भगवतेऽच्युताय भगव
ते [illegible] ॥ भग
[illegible]
[illegible] नमः ॥ ० ॥ ॐ नम

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

कमलनाभाय नमस्तेगात्तमायि
ने ॥ नमस्ते केशवानंत वासुदेव
नमोस्तु ते ॥ ३ ॥ गंगाप्रयागगयनै
मिषपुष्कराणि श्रीजानियानि
ठविमत्रिजगिपूमामृता ॥ श्रय

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्रा·
३ वि

[illegible]
[illegible]
[illegible] कलङ्कमा ॥ [illegible]
[illegible] भगवति [illegible]ः ॥ [illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ठालि ब्रह्मफलमधुत्रे ॥ गायत्र्यामि
णामावहे गायत्रीं वममतत: ॥ अ
स्त: स्वाप: परिश्रियमप्युत्या
मेऊटातु ॥ गायत्र्यै नमः ॥ ॐ भूर्भु
वः स्वः ॥ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेव

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

अगलमधिमध्यमेत्राभिकारतुं
यग्रमा ॥ स्तुस्तुत्ताभिकर्हंनय
नयगलककरुषुगंकनिष्ठ
स्तुस्तुहेनाठिठिमंहृत्यहुमे
हृत्रमभमशलिनाहृत्रलीठिः ॥ मि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

भ्रा॰ वि॰ ५

र्मणे ॥ ॐ ह्रं यस्य स्वभावविधिः ॥ ॐ
श्रृं ॐ स्रूं गूं ह्यः ॥ नमो ब्रह्मणे ॥ श्र
वसे ॥ नमो ऽ कृष्णाय ॥ नमो वरुणा
य ॥ नमो वायवे ॥ नमो ऽपां पतये ॥
नमो हरः ॥ सर्वशान्तिर्भूयात्कल्ल ॥
व

उं जिगाग्रवक ल्ब्धकाम्रस्य
पक्षमत्रेत्रवान्त॥ स्रुयस्यियापायृ
तिमात्रवेककक्वपवक्रात्हरयावि
पद्मिडा॥ उक्तमेंवक ल्पामसम
मस्ववापमेंविमहमेंसुखाय॥ पव

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ਸ੍ਰਾ:
ਵਿ:
੫

ਵ੍ਯਮਾਸ੍ਰਿਤ੍ਵਤੋਤਵਾਨਾਨਾਮੈਸ੍ਵਾਨਿਤ
ਯੇਸ਼ਾਂਮਧ੍ਯਮਧ੍ਯੇਗਤਾ: ॥ ਣਾਗਤੀਵਕ
ਲ: ॥ ਯੇਤੇਮੰਤ੍ਰਵਕਲ ॥ ਯੇਅਜਮੰ
ਯਸ਼ਿਯਾ: ਧਾਮਾਵਿਤਤ੍ਰਾਮਜਾਤ੍ਰ: ॥ ਤੇ
ਸ਼ਿਵੈਸ਼ਿਵ: ॥ ਮਵਿਤ੍ਰਾਵਜਮਾਂ ਤ੍ਰੇ ॥ ਵਿ

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

माङ्गल्यं ॥

सुमित्रा मकरन्दे मासुरवसुः ॥ वि
मरु — मित्रः ॥ मेय [illegible] माः
स्रमित्रा वैश्रुयः ॥ रवमये ठवबु ठपवण्यः
॥ कमित्र सुमहे ॥ मरुयेभ
सुश्रियं गवमे श्रिप्ये ॥ या

ठ त्रिषुः

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ध्वस्त्रीभञ्जिपियैयैन: ॥ धूर्मे
ध्याऊ ॥ ३ ॥ त्रिउस्रूभजयक्षि: ॥
स्वक्षिह्रुध्वा: ॥ स्रुकिह्रष्ववञ्जिग्ह
उ ॥ पिक्रूलाक्षिवम्भ्वम: ॥ मऊ
उम्भवऊयष ॥ मममनेजम्भेवत्रु ज

स्रुनीमया

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆂
𑆮𑆴𑆂
𑇗

𑆠𑆶𑆪𑆂॥ 𑆱𑆠𑆶𑆠𑇀𑆪𑆽𑆮𑆠𑆶𑆠𑆪𑆂॥ 𑆩𑆼𑆑𑆳𑆢𑆴
𑆮𑆼𑆘𑇀𑆚𑆳𑆪𑆠𑆁𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆂॥ 𑆓𑆠𑆼𑆛𑆼𑆮𑆳𑆱𑆮𑆠𑇀𑆫𑆼
॥ 𑆪𑆠𑇀𑆠𑆽𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆮𑆴𑆩𑆁𑆑𑇀𑆫𑆩𑆼॥ 𑆪𑆃𑆴𑆯𑆴𑆒𑆳𑆂॥ 𑆱
𑆥𑆟𑆩𑆑𑆴॥ 𑆑𑆘𑆱𑇀𑆪𑆮𑆳𑆑𑆠𑆵॥ 𑆢
𑆱𑇀𑆪𑆂॥ 𑆪𑆠𑆳𑆢𑆱𑇀𑆪𑆑𑆪𑆳𑆩𑆑𑆴॥ 𑆠𑆠𑆽𑆮𑆠𑇀𑆪

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

नयनृसि || मध्यवद्धगिरुँवतत्रतु
तिकिविध्विघेवि || मधंगाधि || घ
थितविमस्य तिवत्रूणविभ || वँ
वमी || वाघेश्वः पगप्तुतः || भूँम
पाण्डुयक्रः || विरूढेविमधंण

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ॐ

विषय ३

श्री॰ ि॥ विश्वहस्वजवकला॥ शिमहू

वि॰ मिश्रवाजवमिश्राष्ट्राक्षिपमत्र: ॥ ८

३ वमहष्टिस्तुपा॥ ॐम॥ ॐ अं म॰

मेणाशिउडाक्रिकिद्विषेध्रीयेमाये

रहेवजत्रि॥ लेयमा:॥ मिंक्रेय

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

प्र॰ वि॰ [illegible]

भिष्णुगयायमपवेनमः ॥ ओं त्रिकेऽ
ब्रह्मसूत्राभिकवचैनाभिमन्त्रि
॥ ओं त्रिकेज्ञानेयुपयोग्यमयास्त्र
तं तत्रमा ॥ वज्रहस्तेकमहस्तेमत्र
मायत्रामित्रिमा ॥ ओं त्रिकेऽस्मि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

से धश्रिंठ यो स वंमुत्रि श्रितमा ॥ ठ
याङ्कतेत्र यायेन्त्र ब्रङ्कल्लीकें ब्रूल्ल स्वहु
मा ॥ मान्मेकेतन्त्रयेमान्स्रुयोमावे
गेषु मानैश्च वेष्टुगिरिशः ॥ श्रीगाङ
रैम्हृदठमितैरवीह्वविघ्नतेमत्र

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्री॰
वि॰
०॰

मा॒विणीमंडे॥ विश्वामित्रऋषभग
पङ्क्तिर्नेभयमा॥ मग्नमगेूमरत्री
रमेंषणींरमेवदे॥ उमामध्र
ठपुत्रींरांपुविदेकप्यमेंपरमा॥ हे
मेंर्गीमसंकेमपांपमरमर्गीभय

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मिञ्जीपय्यावभूया॥ ॐयामाजः

॥ ॐयागामयकिल्बिषमयपहॄम

ॐगयः॥ ॐयामाजह्ममम्भकमय

ईर्षं मृमव॥ धूणयतैरवभूयाड

वा॥ काञ्चक्कामृञ्मृ गैञतीयनम

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्रु
वि॰
००

प्रथमध्यानि॥ ठकार्त्रिवेघुतन=
मजस्रि॰मगुनम॥ धामगुनपु
उत्रेषिमजस्रि॰वित्रैजमि॥ उ
स्तैउसवीधृकेविपीमजविष्णा॰
वय॥ विगिष्ठिनामजउत्तयधमे

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

खिभिमज्ञणाउसयायानिमबलि =
कवखभिकर्मिमा॥ ओंकस्हावग
नेञ दस्तुयूवह्नाखूनतरमा॥ ध
धगमीनिओंकनिगस्रह्वाःमभिम
ण॥ सयतुञःयविक्षलिमुवक

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्रा॰
वि॰
११

लेभगमम ॥ ऊनह्रैंगायगा-
ऋपूठमं॒यक्षुगालिम ॥ ओजह्र
गतिमवालिभ्रानकालेठवत्रुमे
॥ भूपह्रैवनलैंफ्रेवमृमृमैंयति
भ्रलितमा ॥ यांमिंतुफ्रफिमग्रीञ्जम

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

वयायाअवत्रये ॥ ॐ आवाजयि
षभिमवाय्याविविप्रस्वमा ॥ भ
विष्टमभिम्रुत्रेयठणाडुमस्वग्रु
ऌडा ॥ कक्रुच्चपद्विवाक्षअवाप्र
षस्मुजमा ॥ अवानग्रषस्त्रैव

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

पंपत्रैत्रैमफ्रमम ॥ इरैवमुक्त

करहैत्तत:मभात्तनं णलै ॥ त्रैग्रा

पापत्रयेविम्फ्रैपामपा ल्येपीम

क्षि ॥ त्रैत्रैवकल: पूमिफ्यात्रा ॥ ३॥

रेत्रम्रत्रा ॥ मतहूत्रवत्रिषवहम्

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

श्रीः
वि:
०८

कभाभश्राभकयक्षस्त्रिषावभ
कर्मप्रश्न नैवाप्नुवन्ति ॥ कर्यैयालि
उपायनिकारान्त्कें स्रीविष्णुप्रीत्युर्के
निकम निभिर्तुगास्न पवाकेश्राव
मक्रकानिषे ॥ तेऊकषा ॥ तेउन्त्रि

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

ओं: परमेयसिमस्यपह्नठिस्वरायः।
॥ ल्लिवीमह्वगउतमा ॥ उह्नियमें
पह्वेणगुलंयः ॥ मभिवत्रेवि
ओंदत्रुरमेयगुमा ॥ हेंकुः ॥ हेंक
वः ॥ हेंखुः ॥ हेंमकः ॥ हेंणाः ॥

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

मु:
वि:
०५

ठेउयः॥ ठंमहमा॥ उदहस्रुउवे
धमेमेवेवृदत्रिकेउवः॥ ष्फमेविद्य
वम्रदे॥ दमः सुफिषद्वमवउरि
हमहॆउवेविषमत्रिविध्रूतेलम
वृषदवमदतुउमहॆमममद्वगे

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

प्रद्युम्नाय किरीटिने ॥ ॐ नमोऽनिरुद्धः
॥१॥ स्वागतं प्रविष्टः ॥२॥ सुपवि-
ष्टः ॥३॥ ब्रह्मरूपस्वरूपदंतेषु
गण्डेगणाद्दु ... ॥४
... नमः ॥ पवित्रं ... क्रिय

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri

CC-0 In Public Domain. Digitzed by eGangotri